भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †4990

सोमवार, 23 मार्च, 2026/02 चैत्र, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

मुनरोथुरुथु की राष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में मान्यता

†4990. श्री कोडिकुन्नील सुरेश:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को केरल राज्य सरकार या किसी अन्य प्राधिकरण से कोल्लम जिले में मुनरोथुरुथु को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित पर्यटन स्थल के रूप में मान्यता देने और शामिल करने का कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;

(ख) क्या मुनरोथुरुथु को 'स्वदेश दर्शन', 'प्रसाद' या अन्य विषयगत पर्यटन परिपथों जैसी किन्हीं केन्द्रीय योजनाओं के अंतर्गत माना गया है;

(ग) सरकार द्वारा राष्ट्रीय पर्यटन संवर्धन कार्यक्रमों के अंतर्गत गंतव्यों को शामिल करने के लिए क्या मानदंड अपनाए गए हैं;

(घ) क्या मुनरोथुरुथु में अवसंरचना विकास, पारिस्थितिकी-पर्यटन, बैकवाटर पर्यटन या विरासत पर्यटन के लिए कोई वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई है अथवा विचाराधीन है; और

(ङ) मुनरोथुरुथु के अनूठे बैकवाटर पारिस्थितिकी तंत्र और जैव-विविधता को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय महत्व के एक सतत पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन स्थलों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं, जिनमें 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास योजना - सीबीडीडी' (स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत एक पहल) और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' शामिल हैं, के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को उनसे योजना दिशानिर्देशों एवं सरकारी निर्देशों के अनुरूप परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति तथा निधि की उपलब्धता, परस्पर प्राथमिकता आदि के अध्यधीन, पर्यटकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए, केरल राज्य सहित देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। उपर्युक्त योजनाएं मार्च 2026 तक स्वीकृत हैं और वर्तमान में मंत्रालय के समक्ष विचार के लिए कोई प्रस्ताव नहीं है।

केरल राज्य में एसडी, एसडी 2.0, सीबीडीडी और प्रशाद योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

भारत सरकार ने 2024-25 में 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास' नामक पहल के तहत 59.71 करोड़ रुपये की 'कोल्लम में अष्टमुडी जैव विविधता एवं पर्यावरण-मनोरंजन केंद्र' और 95.34 करोड़ रुपये की 'सरगालय में मालाबार के सांस्कृतिक केंद्र का वैश्विक प्रवेश द्वार' नामक परियोजनाएं स्वीकृत की हैं।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय वेबसाइट, कार्यक्रमों, सोशल मीडिया आदि जैसे विभिन्न प्रचार साधनों के माध्यम से केरल राज्य सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों को समग्र रूप से संवर्धन करता है।

*****

अनुबंध

श्री कोडिकुन्नील सुरेश द्वारा मुनरोथुरुथु की राष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में मान्यता के संबंध में दिनांक 23.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †4990 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में **विवरण**

केरल राज्य में एसडी 2.0, सीबीडीडी और प्रशाद योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

योजना	**परिपथ/स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
स्वदेश दर्शन	इको परिपथ 2015-16	पथनमथिट्टा - गवी - वागामोन - तेक्कडी का विकास	64.08
	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	सबरीमाला - एरुमेली - पम्पा - सन्निधानम का विकास	46.54
	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	श्री पद्मनाभ अर्नामूला का विकास	78.08
	ग्रामीण परिपथ 2018-19	मालानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास	57.35
	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	शिवगिरी श्री नारायण गुरु आश्रम - अरुवीपुरम - कुन्नुमपारा श्री सुब्रह्मनिया - चेम्बझंथी श्री नारायण गुरुकुलम का विकास	66.42
स्वदेश दर्शन 2.0	2024-25	अलाप्पुझा: ए ग्लोबल वॉटर वंडरलैंड	93.18
	2024-25	मलमपुझा गार्डन और लीजर पार्क में पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाना	75.87
	2023-24	कुमारकोम पक्षी अभयारण्य एक्सपीरियंस	13.81
सीबीडीडी	2024-25	वर्कला-दक्षिण काशी	25.00
	2024-25	थालास्सेरी: आध्यात्मिक जुड़ाव	25.00
प्रशाद	2016-17	गुरुवायूर मंदिर का विकास	45.19

*****